# बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय

## (संसद के केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम - 2009 द्वारा स्थापित)

## बी.ए. - बी.एड. के लिए विषय हिंदी का पाठ्यक्रम

**बी.ए.-बी.एड. के लिए विषय हिंदी का पाठ्यक्रम (40 क्रेडिट)**

| पाठ्यक्रम कोड | पाठ्यक्रम शीर्षक | क्रेडिट |
|---|---|---|
| | **पहला सत्र** | |
| HIN 101 | हिंदी भाषा एवं साहित्यः उद्भव एवं विकास | 4 |
| | **कुल क्रेडिट** | **4** |
| | **दूसरा सत्र** | |
| HIN 151 | प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य | 4 |
| | **कुल क्रेडिट** | **4** |
| | **तीसरा सत्र** | |
| HIN 201 | हिंदी कथा साहित्यः उद्भव, विकास एवं पाठ (कहानी एवं उपन्यास) | 4 |
| | **कुल क्रेडिट** | **4** |
| | **चौथा सत्र** | |
| HIN 251 | आधुनिक हिंदी काव्य | 4 |
| | **कुल क्रेडिट** | **4** |
| | **पाँचवाँ सत्र** | |
| HIN 301 | काव्यशास्त्रः भारतीय एवं पाश्चात्य | 3 |
| HIN 302 | हिंदी निबंध एवं आलोचना | 3 |
| | **कुल क्रेडिट** | **6** |
| | **छठा सत्र** | |
| HIN 351 | विविध गद्य-रूप | 3 |
| HIN 352 | प्रयोजनमूलक हिंदी | 3 |
| | **कुल क्रेडिट** | **6** |
| | **सातवाँ सत्र** | |
| HIN 401 | नाटक एवं रंगमंच | 3 |
| HIN 402 | अनुवादः सिद्धांत एवं अनुप्रयोग | 3 |
| | **कुल क्रेडिट** | **6** |
| | **आठवाँ सत्र** | |
| HIN 451 | भारतीय साहित्य एवं हिंदी का लोक साहित्य | 3 |
| HIN 452 | समकालीन हिंदी साहित्य | 3 |
| | **कुल क्रेडिट** | **6** |
| | **कुल क्रेडिट** | **40** |

# पहला सत्र

**कोर्स शीर्षक : हिंदी भाषा एवं साहित्य : उद्‌भव एवं विकास**
**क्रेडिट : 4**

**उद्देश्यः** छात्र हिंदी भाषा की उत्पत्ति एवं उसके विविध रूपों से अवगत हो सकेंगे । साथ ही, छात्र प्राचीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास, काल-विभाजन, नामकरण एवं प्रवृत्तियों का अध्ययन कर सकेंगे ।

**भाषा :**

1 हिंदी की उत्पत्ति और प्रकृति ।
2 हिंदी भाषा के विविध रूप ।
3 हिंदी भाषा की संरचना ।
4 हिंदी का संवैधानिक स्वरूप ।
5 देवनागरी लिपि ।

**साहित्य :**

1 साहित्य और उसका इतिहास - दर्शन ।
2 हिंदी साहित्य का इतिहास, दृष्टियाँ, नामकरण, काल-विभाजन एवं प्रवृत्तियाँ ।
3 पुनर्जागरण एवं नवजागरण : आलोचनात्मक विवेचन ।
4 विभिन्न साहित्यिक आन्दोलन ।

**सहायक ग्रंथ :**


1 हिंदी : उद्‌भव, विकास और रूप - हरदेव बाहरी ।
2 हिंदी भाषा का इतिहास - डा. भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
3 हिंदी भाषा और लिपि - डा. धीरेन्द्र वर्मा, हिंदुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद ।
4 हिंदी भाषा और नागरी लिपि - डा. भोलनाथ तिवारी ।
5 हिंदी साहित्य का सरल इतिहास - विश्वनाथ त्रिपाठी, ओरियंट लौंगमैन, हैदराबाद ।
6 हिंदी साहित्य की भूमिका - हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
7 हिंदी साहित्य का इतिहास - रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
8 हिंदी साहित्य का इतिहास - सं. डा. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली ।
9 हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास (दो भाग) - गणपति चंद्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
10 भारतेंदु और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
11 आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ - नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
12 हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
13 छायावाद - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
14 हिंदी नवगीत : उद्‌भव और विकास - राजेंद्र गौतम ।
15 हिंदी गजल की विकास यात्रा - ज्ञानप्रकाश विवेक ।


---

# दूसरा सत्र

**कोर्स शीर्षक : प्राचीन और मध्यकालीन काव्य**
**क्रेडिट : 4**

**उद्देश्यः** छात्र प्राचीन हिंदी काव्य की आरंभिक प्रकृति एवं प्रवृत्तियों का अध्ययन करेंगे । मध्यकालीन काव्य के अन्तर्गत हिंदी भाषी समाज की जीवित विरासत, भक्ति काव्य की उत्पत्ति, उसकी विविध काव्यधाराओं का सामाजिक संदर्भों में अध्ययन करेंगे । रीतिकालीन काव्य के अन्तर्गत रीतिकालीन कविता एवं उसकी काव्य-शास्त्रीय अवधारणाओं का अध्ययन करेंगे ।

**(प्राचीन काव्य से दो एवं मध्यकालीन काव्य से तीन कवियों का चयन करते हुए कुल पाँच कवियों के अध्ययन अनिवार्य)**

1 बीसलदेवरासो - सं. माताप्रसाद गुप्त, साहित्य भवन प्रा. लि., इलाहाबाद । (चयनित पाठ)
2 अमीर खुसरो - भोलानाथ तिवारी, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली । (चयनित पाठ)
3 विद्यापति-पदावली - सं. रामवृक्ष बेनीपुरी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद । (चयनित पाठ)
4 कबीर : साखी और सबद - सं. पुरुषोत्तम अग्रवाल, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली । (चयनित पाठ)
5 रैदास बानी - सं. शुकदेव सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली । (चयनित पाठ)
6 विनय पत्रिका - तुलसीदास, गीता प्रेस, गोरखपुर । (चयनित पाठ)
7 सूरसागर सार - सं. धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन प्रा.लि. इलाहाबाद । (चयनित पाठ)
8 पद्मावत - (नागमती वियोग खण्ड) - सं. वासुदेवशरण अग्रवाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
9 मीराबाई की पदावली - सं. परशुराम चतुर्वेदी, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, इलाहाबाद । (चयनित पाठ)
10 बिहारी रत्नाकर - सं. जगन्नाथदास रत्नाकर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद । (चयनित पाठ)

**सहायक ग्रंथ :**

1 अमीर खुसरो - सोहनपाल सुमनाक्षर, प्रकाशन विभाग, नई दिल्ली ।
2 महाकवि खुसरो - सफदर शाह, उत्तर प्रदेश, हिंदी संस्थान, लखनऊ ।
3 विद्यापति - रमानाथ झा, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली ।
4 भक्ति काव्य-यात्रा - रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
5 कबीर - हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
6 रैदास - धर्मपाल सैनी, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली ।
7 तुलसीदास - रामजी तिवारी, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली ।
8 सूरदास - मैनेजर पाण्डेय, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली ।
9 मीरा का काव्य - विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
10 बिहारी - विश्वनाथप्रसाद मिश्र, संजय बुक सेंटर, बनारस ।

---

# तीसरा सत्र

**कोर्स शीर्षक : हिंदी कथा साहित्य : उद्‌भव, विकास एवं पाठ (कहानी एवं उपन्यास)**
**क्रेडिट : 4**

**उद्देश्यः** छात्र कहानी एवं उपन्यास के उद्‌भव, विकास, संवेदना एवं शिल्प का सामाजिक संदर्भों के परिप्रेक्ष्य में अध्ययन कर सकेंगे ।

**संदर्भ :**

1 हिंदी कथा साहित्य : उद्‌भव एवं विकास ।
2 हिंदी कथा साहित्य : विभिन्न सामाजिक संदर्भ ।
3 हिंदी कथा साहित्य : संवेदना एवं शिल्प ।

**पाठ (कहानी):**

(किन्हीं पाँच कहानियों का अध्ययन)

1 उसने कहा था - चन्द्रधर शर्मा गुलेरी ।
2 सद्‌गति - प्रेमचन्द ।
3 आकाशदीप - जयशंकर प्रसाद ।
4 शरणदाता - अज्ञेय ।
5 परदा - यशपाल ।
6 मलबे का मालिक - मोहन राकेश ।
7 छोटे-छोटे ताजमहल - राजेन्द्र यादव ।
8 तीसरी कसम अर्थात् मारे गए गुलफाम - फणीश्वरनाथ रेणु ।
9 परिन्दे - निर्मल वर्मा ।
10 अमृतसर आ गया है - भीष्म साहनी ।
11 वापसी - उषा प्रियंवदा ।

**पाठ (उपन्यास) :**

(किन्हीं तीन उपन्यास का अध्ययन)

1 कर्मभूमि - प्रेमचन्द
2 त्यागपत्र - जैनेन्द्र
3 दिव्या - यशपाल
4 तमस - भीष्म साहनी
5 महाभोज - मन्नू भण्डारी

**सहायक ग्रंथ :**

1 कहानी : नयी कहानी - नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
2 आज की कहानी - विजयमोहन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
3 कहानी आन्दोलन की भूमिका - बलिराज पाण्डेय, अनामिका प्रकाशन, इलाहाबाद ।
4 कहानी की बात - मार्कण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
5 प्रेमचन्द - सं. सत्येन्द्र

6 नयी कहानी : परिवेश एवं परिप्रेक्ष्य - डॉ. रामकली सराफ, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
7 प्रेमचन्द और उनका युग - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
8 हिन्दी उपन्यास का इतिहास - गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
9 हिन्दी उपन्यास - रामचन्द्र तिवारी
10 हिन्दी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा - रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
11 उपन्यास : स्थिति और गति - चन्द्रकांत बड़दिवेकर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
12 हिन्दी उपन्यास एवं यथार्थवाद - त्रिभुवन सिंह, हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी ।
13 उपन्यास और लोक जीवन - राल्फ फाक्स - पीपुल्स पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली ।

---

# चौथा सत्र

**कोर्स शीर्षक : आधुनिक हिंदी कविता**
**क्रेडिट : 4**

**उद्देश्यः** छात्र आधुनिकता की अवधारणा के बरक़्स आधुनिक हिन्दी कविता का अध्ययन कर सकेंगे । पाठ्यक्रम के अन्तर्गत ब्रज एवं खड़ी बोली का संघर्ष, काव्य में खड़ी बोली की स्थापना एवं विविध काव्य-धाराओं एवं उनकी प्रवृत्तियों का अध्ययन कर सकेंगे ।

**संदर्भ :**

1 आधुनिकता की अवधारणा ।
2 ब्रजभाषा बनाम खड़ी बोली ।
3 आधुनिक हिन्दी कविता का विकास क्रम ।
4 आधुनिक हिन्दी कविता और भारतीय स्वाधीनता आन्दोलन ।
5 आधुनिक हिन्दी काव्य-धाराएँ - स्वच्छन्दतावाद, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद और नयी कविता ।

**पाठ :**

(किन्हीं छः कवियों का अध्ययन)

1 भारतेन्दु - हिंदी की उन्नति पर व्याख्यान ।
2 मैथिलीशरण गुप्त - जयद्रथ वध, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
3 जयशंकर प्रसाद - आँसू, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
4 निराला - तोड़ती पत्थर, गहन है यह अंधकारा, सरोज-स्मृति ।
5 सुमित्रानन्दन पंत - ग्राम्या, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली । (चयनित पाठ)
6 महादेवी वर्मा - यामा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद । (चयनित पाठ)
7 रामधारी सिंह दिनकर - रश्मिरथी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद । (चयनित पाठ)
8 अज्ञेय - चुनी हुई कविताएँ, राजपाल एंड संस, नई दिल्ली । (चयनित पाठ)
9 मुक्तिबोध - ब्रह्मराक्षस ।
10 नागार्जुन - प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली । (चयनित पाठ)

**सहायक ग्रंथ :**


1 भारतेंदु-युग और हिंदी भाषा की विकास परंपरा - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
2 मैथिलीशरण - नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
3 जयशंकर प्रसाद - रमेशचंद्र शाह, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली ।
4 निराला - परमानंद श्रीवास्तव, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली ।
5 कवि सुमित्रानन्दन पंत - नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
6 महादेवी वर्मा - जगदीश गुप्त, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली ।
7 दिनकर - सं. सावित्री सिन्हा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
8 अज्ञेय का संसार : शब्द और सत्य - सं. अशोक वाजपेयी, पूर्वोदय प्रकाशन, नई दिल्ली ।
9 अज्ञेय - रमेशचन्द्र शाह, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली ।
10 मुक्तिबोध की कविताएँः बिंब - प्रतिबिंब - नंदकिशोर नवल, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली ।
11 नागार्जुन : रचना प्रसंग और दृष्टि - सं. रामनिहाल गुंजन, नीलाभ प्रकाशन, इलाहाबाद ।


---

# पाँचवाँ सत्र

**कोर्स शीर्षक : काव्यशास्त्र : भारतीय एवं पाश्चात्य**
**क्रेडिट : 3**

**उद्देश्यः** छात्र भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य दृष्टियों, परम्पराओं, रचना की प्रक्रिया, काव्य में अंतर्भुक्त तत्त्वों और काव्य एवं समाज के अंतर्संबंधों को जान सकेंगे ।

**भारतीय :**

1 भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा और विभिन्न सम्प्रदाय : रस, अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति, औचित्य ।
2 काव्य-लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, गुण, दोष, काव्य रूप ।
3 शब्द शक्ति - अभिधा, लक्षणा, व्यंजना, तात्पर्य ।
4 काव्य-तत्व : अलंकार, छंद, बिंब, प्रतीक, मिथक आदि ।

**पाश्चात्य :**

1 अनुकरण मूलक सिद्धान्त : प्लेटो और अरस्तू ।
2 रोमैंटिक काव्य चिंतन : वर्ड्सवर्थ, कॉलरिज - काव्यभाषा, कल्पना ।
3 नई समीक्षा ।

**सहायक ग्रंथ :**


1 नाट्य शास्त्र-भरतमुनि, चौखम्भा विद्या भवन, वाराणसी ।
2 भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका - डा. नगेन्द्र, हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली ।
3 भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र - डा. भगीरथ मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
4 पाश्चात्य काव्यशास्त्र - डा. निर्मला जैन, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली ।
5 आचार्य रामचन्द्र शुक्ल - रस भीमांसा, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।
6 भारतीय काव्य शास्त्र - डा. सत्यदेव चौधरी, अलंकार प्रकाशन, दिल्ली ।
7 पाश्चात्य साहित्य चिंतन - सं. निर्मला जैन, कुसुम बाँठिया, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
8 पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा - डॉ. नगेन्द्र, हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली ।

9 साहित्य सिद्धान्त - डॉ. राम अवध द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना ।
10 भारतीय आलोचना शास्त्र - राजवंश सहाय हीरा, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना ।

---

**कोर्स शीर्षक : हिंदी निबंध और आलोचना**
**क्रेडिट : 3**

**उद्देश्यः** छात्र हिंदी निबंधकारों एवं उनके निबंधों में व्यक्त सामाजिक यथार्थ के विभिन्न रूपों से अवगत हो सकेंगे । साथ ही, आलोचना की विभिन्न दृष्टियों के अध्ययन से कृतियों का मूल्यांकन एवं विश्लेषण कर सकेंगे ।

**संदर्भ :**
1 निबंध का स्वरूप और विकास ।
2 आलोचना का स्वरूप और विकास ।
3 आलोचना की विभिन्न दृष्टियाँ ।

**पाठ :**
1 निबंध-निलय - सं. सत्येन्द्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।

**सहायक ग्रंथ :**
1 हिंदी निबंध और निबंधकार - रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
2 हिंदी आलोचना का विकास - नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
3 हिंदी आलोचना - विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
4 हिंदी आलोचना की बीसवीं सदी - निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।

---

## छठा सत्र

**कोर्स शीर्षक : प्रयोजनमूलक हिंदी**
**क्रेडिट : 3**

**उद्देश्यः** छात्र हिंदी भाषा के प्रशासनिक तथा व्यावसायिक यथा, संचार, मीडिया, कम्प्यूटर आदि अनुप्रयोगों को समझ सकेंगे ।

1 प्रयोजनमूलक हिंदी का अभिप्राय, उद्देश्य, स्वरूप एवं क्षेत्र ।
2 हिंदी भाषा के विविध संदर्भ :
(i) राजभाषा (ii) राष्ट्रभाषा (iii) संपर्क भाषा ।
3 प्रयोजनमूलक हिंदी का अनुप्रयोग :
(i) प्रशासनिक हिंदीः पत्राचार, ज्ञापन, परिपत्र, आदेश, मसौदा, पृष्ठांकन, टिप्पणी, प्रारूपण, प्रतिवेदन, निविदा, सूचना, संक्षेपण, पल्लवन ।
(ii) कार्यालयी हिंदीः वित्त-वाणिज्य, बैंकिंग, बीमा, व्यापार, प्रौद्योगिकी, विधि, कृषि, शिक्षण में प्रयोजनमूलक हिंदी का अनुप्रयोग एवं पारिभाषिक शब्द-कोश निर्माण ।

4 विविध संचार माध्यम ।
5 रचनात्मक लेखन ।
6 कम्प्यूटर में हिंदी अनुप्रयोग ।

**सहायक ग्रंथ :**


1 प्रशासन में राजभाषा हिंदी – डा. कैलाशचन्द भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली ।
2 प्रयोजनमूलक कामकाजी हिंदी – डा. कैलाशचन्द भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली ।
3 जनसंचार माध्यमों में हिंदी – चंद्र कुमार, क्लासिक पब्लिशिंग, दिल्ली ।
4 प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धान्त और प्रयोग – दंगल झाल्टे, वाणी, नई दिल्ली ।
5 प्रयोजनमूलक हिंदी : विविध परिदृश्य – डा. रमेशचन्द्र त्रिपाठी, अलका प्रकाशन, कानपुर ।
6 बोलचाल की हिंदी और संचार – डॉ. मधु धवन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
7 राष्ट्रभाषा हिंदी : समस्यायें और समाधान – देवेन्द्रनाथ शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
8 प्रयोजनमूलक हिंदी – विनोद गोदरे, वाणी, प्रकाशन, नई दिल्ली ।
9 राजभाषा हिंदी – कैलाश चन्द्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
10 व्यावसायिक हिंदी – डॉ. प्रेमचन्द पंतजलि, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
11 हिंदी पत्रकारिता स्वरूप और संदर्भ – विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
12 प्रयोजनमूलक हिंदी और पत्रकारिता – डॉ. दिनेश प्रसाद सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
13 कम्प्यूटर का सहज बोध – इकबाल मु० अली, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
14 कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय कुमार मल्होत्रा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
15 कम्प्यूटर क्या, क्यों और कैसे – राम बंसल, विद्याचार्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
16 भाषा और प्रोद्योगिकी – डॉ. विनोद प्रसाद, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
17 कम्प्यूटर इतिहास और कार्यविधि – गोपाल राय, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली ।
18 कम्प्यूटर शब्दकोश – प्रहलाद शर्मा, ज्योति प्रकाशन, जयपुर ।


---

## कोर्स शीर्षक : विविध गद्य रूप

**क्रेडिट : 3**

**उद्देश्यः** छात्र हिंदी साहित्य के विविध गद्यरूपों के उद्‌भव एवं विकास से अवगत हो सकेंगे । साथ ही, हिंदी साहित्य की बृहत्तर संस्कृति से भी वे जुड़ सकेंगे ।

1 विविध गद्यरूप : स्वरूप, उद्‌भव एवं विकास ।

**पाठ : (निम्नलिखित में किन्हीं तीन पाठ का अध्ययन)**

1 मुक्तिबोध : एक संस्मरण – हरिशंकर परसाई ।
2 अतीत के चलचित्र – महादेवी वर्मा ।
3 प्रेमचन्द के फटे जूते – (चयनित पाठ) – हरिशंकर परसाई ।
4 आवारा मसीहा – विष्णु प्रभाकर (चयनित पाठ) ।
5 अपनी खबर – पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र' ।
6 पटना जल प्रलय – फणीश्वरनाथ रेणु ।

**सहायक ग्रंथ :**

1 हिंदी साहित्य का इतिहास - सं. डा. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली ।
2 हिंदी गद्य के विभिन्न साहित्यरूपों का उद्‌भव और विकास - डा. बलवन्त लक्ष्मण कोतमिरे, किताब महल, इलाहाबाद ।
3 गद्य की पहचान - अरुण प्रकाश, अंतिका प्रकाशन, नई दिल्ली ।

---

# सातवाँ सत्र

**कोर्स शीर्षक : हिंदी नाटक और रंगमंच**
**क्रेडिट : 3**

**उद्देश्यः** छात्र नाटक एवं रंगमंच के विविध रूपों, शैलियों एवं भावाभिव्यक्ति के विविध उपकरणों को जान सकेंगे । पाठ के अध्ययन से यथार्थ एवं रंगमंच के अंतर्संबंध से परिचित हो सकेंगे ।

**संदर्भ :**

1 नाटक एवं रंगमंच का स्वरूप, प्रकार ।
2 हिंदी नाटक और रंगमंच : उद्‌भव और विकास

**पाठ :**

1 भारत दुर्दशा - भारतेन्दु हरिश्चंद्र, अनुपम प्रकाशन, पटना ।
2 ध्रुवस्वामिनी - जयशंकर प्रसाद, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
3 आधे-अधूरे - मोहन राकेश, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
4 भुवनेश्वर की कोई एक एकांकी - लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

**सहायक ग्रंथ :**

1 हिंदी नाटक : उद्‌भव और विकास - दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस, नई दिल्ली ।
2 आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच - सं. नेमिचंद जैन
3 हिंदी नाटक : नई परख - सं. रमेश गौतम
4 हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष - गिरीश रस्तोगी
5 नई रंगचेतना और हिंदी नाटककार - जयदेव तनेजा
6 नाटककार भारतेंदु की रंग परिकल्पना - सं. सत्येन्द्र कुमार तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
7 प्रसाद के नाटक : स्वरुप और संरचना - गोविंद चातक
8 एकांकी और एकांकीकार - रामचरण महेंद्र
9 हिंदी रंगमंच - दशा और दिशा - जयदेव तनेजा
10 रंगमंच : कथा और दृष्टि - गोविंद चातक

---

**कोर्स शीर्षक : अनुवाद : सिद्धांत और अनुप्रयोग**
**क्रेडिट : 3**

**उद्देश्यः** छात्र अनुवाद के सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक स्वरूप का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे । साथ ही, हिंदी भाषा एवं साहित्य और भारतीय भाषा एवं साहित्य को एक-दूसरे के परिप्रेक्ष्य में समझ सकेंगे ।

1 अनुवाद : परिभाषा, स्वरूप, क्षेत्र और सीमाएँ ।
2 अनुवाद की इकाई : शब्द, पद, वाक्य, अनुच्छेद ।
3 अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार ।
4 अनुवाद की प्रक्रिया ।
5 व्यावहारिक अनुवाद प्रशिक्षण :
   1) हिंदी से अंग्रेजी/अंग्रेजी से हिंदी
   2) भारतीय भाषाओं से हिंदी/ हिंदी से (कोई एक) भारतीय भाषा

**सहायक ग्रंथ :**


1 अनुवाद : प्रक्रिया और स्वरूप - कैलाश चन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली ।
2 अनुवाद कला - डा. एन.ई. विश्वनाथ अय्यर, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली ।
3 हिंदी व्याकरण - कामता प्रसाद गुरु, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।
4 अनुवाद क्या है - राजकमल बोहरा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
5 अनुवाद सिद्धान्त की रूपरेखा - डा. सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
6 अनुवाद कार्यदक्षता, भारतीय भाषाओं की समस्यायें - वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
7 भारतीय भाषायें और हिंदी अनुवाद समस्या समाधान - कैलाश चन्द भाटिया, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
8 भूमण्डलीकरण, निजीकरण व हिंदी - डा माणिक मृगेश, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
9 अनुवाद के भाषिक पक्ष - विभा गुप्ता, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।


---

## आठवाँ सत्र

**कोर्स शीर्षक : भारतीय साहित्य एवं हिंदी का लोक-साहित्य**
**क्रेडिट : 3**

**उद्देश्यः** छात्र बृहत्तर भारत की बहुआयामी सांस्कृतिक विरासत, उसकी परंपरा, ज्ञान एवं संवेदना तथा लोक-जीवन, लोक-संस्कृति, लोक परंपराओं और प्रयोग से परिचित हो सकेंगे ।

**संदर्भ :**

1 भारतीय साहित्य की अवधारणा ।
2 भारतीय साहित्य की विविधता ।
3 भारतीय साहित्य की विश्व साहित्य को देन ।
4 लोक-साहित्य की अवधारणा ।

5 लोक-साहित्य के प्रकार - लोक-गीत, लोक-गाथा, लोक-कथा एवं लोक-नाट्य ।
6 लोक - साहित्य : एक मूल्यांकन ।

**पाठ :**

**कः (निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पाठ का अध्ययन)**

1 एकोत्तरशती - रवीन्द्रनाथ ठाकुर, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली । (चयनित पाठ)
2 दीवान-ए-गालिब - सं. अली सरदार जाफरी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली । (चयनित पाठ)
3 संस्कार - यू.आर. अनंतमूर्ति, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
4 नामदेव ढसाल (चयनित पाठ)
5 छिन्नमस्ता - इंदिरा गोस्वामी, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली ।

**खः** बिहार के किसी एक लोक-साहित्य (मगही, भोजपुरी, अंगिका एवं बज्जिका) का अध्ययन ।

**सहायक ग्रंथः**

1 आज का भारतीय साहित्य - सं. प्रभाकर माचवे, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली ।
1 मगध की लोक कथाएँ : अनुशीलन एवं संचयन, डॉ. रामप्रसाद सिंह
2 मगही लोकगीत : भूमिका, संग्रह और भाष्य - डॉ. रामप्रसाद सिंह
3 मगही लोकनाट्य : अनुशीलन एवं संचयन - डॉ. रामप्रसाद सिंह
4 भोजपुरी भाषा और साहित्य - उदयनारायण तिवरी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
5 भोजपुरी लोक संस्कृति - कृष्णदेव उपाध्याय
6 लोकगीतों का समाजशास्त्रीय अध्ययन - छोटेलाल बहरदार, भारती प्रकाशन, दिल्ली ।
7 लोकगीतों की सामाजिक व्याख्या - श्रीकृष्ण दास, साहित्य भवन प्रा.लि., इलाहाबाद ।
8 भोजपुरी लोकगाथा - सत्यव्रत सिन्हा, हिन्दुस्तान एकेडेमी, इलाहाबाद ।
9 बज्जिका लोकगीत - डॉ. रामेश्वर प्रसाद, किशोर प्रकाशन, मुजफ्फरपुर ।
10 बज्जिका का स्वरूप - डॉ. योगेन्द्र प्रसाद सिन्हा, डॉ. योगेन्द्र प्रसाद सिन्हा, बज्जिका संस्थान, मुजफ्फरपुर ।
11 बज्जिका भाषा के कतिपय शब्दों का आलोचनात्मक अध्ययन - डॉ. योगेन्द्र प्रसाद सिन्हा, प्राकृत जैनशास्त्र और अहिंसा शोध संस्थान, वैशाली ।

---

## कोर्स शीर्षक : समकालीन हिंदी साहित्य

**क्रेडिट : 3**

**उद्देश्यः** छात्र समकालीन हिंदी साहित्य की विविधता एवं उसकी प्रवृत्तियों का अध्ययन कर सकेंगे । साथ ही, अस्मितामूलक विमर्शों, उनकी प्रवृत्ति और स्वरूप से अवगत हो सकेंगे ।

**संदर्भ :**

1 समकालीनता की अवधारणा ।
2 समकालीन हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ ।
3 अस्मितामूलक आन्दोलन : उद्भव, विकास एवं स्वरूप ।

**कविता :**

(किन्हीं दो कवियों का अध्ययन)

1 अकाल - दर्शन, रोटी, संसद - धूमिल ।
2 रामदास - रघुवीर सहाय ।
3 सन् 47 को याद करते हुए, पानी में घिरे लोग - केदारनाथ सिंह ।
4 अयोध्या, 1992, अमीर खुसरो - कुँवर नारायण ।
5 सफेद रात, गोली दागो पोस्टर - आलोक धन्वा ।

**कहानी :**

(किन्हीं दो कहानियों का अध्ययन)

1 घंटा - ज्ञानरंजन ।
2 डिप्टी कलक्टरी - अमरकांत ।
3 अपना रास्ता लो बाबा - काशीनाथ सिंह ।
4 मोहनदास - उदय प्रकाश ।
5 तिरिया चरित्तर - शिवमूर्ति ।

**उपन्यास :** अपने-अपने राम - भगवान सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।

**नाटक :** आठवाँ सर्ग - सुरेन्द्र वर्मा, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली ।

**आत्मकथा :** जूठन - ओमप्रकाश वाल्मीकि, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।

**सहायक ग्रंथ :**


1 समकालीन हिंदी कविता - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
2 समकालीन कविता का यथार्थ - परमानन्द श्रीवास्तव
3 समकालीन काव्ययात्रा - नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
4 एक कवि की नोटबुक - राजेश जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
5 साठोत्तरी कविता - परिवर्तित दिशाएँ - विजय कुमार, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली ।
6 समकालीन हिंदी नाटक की संघर्ष चेतना - गिरीश रस्तोगी, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला ।
7 कहानी समय - कृष्ण मोहन
8 आज की कहानी - विजयमोहन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
9 औरत के हक में - तस्लीम नसरीन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
10 दुर्ग द्वार पर दस्तक - कात्यायनी, परिकल्पना प्रकाशन, लखनऊ ।
11 स्त्रीत्व का मानचित्र - अनामिका, सारांश प्रकाशन, दिल्ली ।
12 स्त्री उपेक्षिता - सिमोन द बोउवार - अनुवाद - प्रभा खेतान, हिन्द पाक्ट बुक्स, नई दिल्ली ।
13 स्त्रीवादी विमर्श : समाज और साहित्य - क्षमा शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
14 दलित साहित्य का सौदर्न्य शास्त्र - शरण कुमार लिंबाले, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
15 दलित साहित्य में सामाजिक - सांस्कृतिक चेतना - श्योराज सिंह 'बेचैन'
16 आदिवासी दस्तक - विचार, परम्परा और साहित्य - रमेशचन्द मीणा, अलख प्रकाशन, जयपुर
17 हाशिए की वैचारिकी - सं. उमाशंकर चौधरी, अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली ।


---